समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा 244545 पार

अधिकतम तापमान 28.00° >> न्यूनतम तापमान 24.00° >> सूर्योदय 5:33 >> सूर्यास्त 19:36 >> डॉलर 82.02 >> यूरो 90.85 >>

छोटीबड़ीबात
आज ही के दिन 1897 में बाल गंगाधर तिलक पहली बार गिरफ्तार किये गए थे।

क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ते दैनिक भास्कर एप

दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

भास्कर न्यूज ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम्डागर, संदीप सिंगल, भीम जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति बोधराज सीकरी ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।

पंजाब केसरी
— www.PunjabKesari.com —

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए है संजीवनी : सीकरी

गुरुग्राम, (पंजाब केसरी) : सैक्टर 15 पार्ट वन स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाई आदि ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाईं ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढऩा चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके करण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले।

पंजाब केसरी
ई-पेपर
EDITIONS
Gurgaon
Kesari

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही, आंकड़ा हुआ 244545 के पार

गुड़गांव, 26 जुलाई (ब्यूरो): राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट-1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम ज़ेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

राधा कृष्ण मंदिर सैक्टर-15 में हनुमान चालीसा के लिए पहुंचे श्रद्धालु।

गजेंद्र गोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है।

इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं।

l Supplement
याणा केसरी
Kesari.com
Kesari.com

गुरुग्राम केसरी

Punjab Kesari, Delhi 27 जुलाई 2023, गुरुवार

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एमके अरोड़ा): सैक्टर 15 पार्ट वन स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाई आदि ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाईं ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इस अवसर पर आदित्य राय, आयुर्वेदाचार्य डा. परमेश्वर अरोड़ा, तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट्स के डायरेक्टर ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, भाजपा नेता प्रमोद सलूजा एडवोकेट, अलका शर्मा, आर्य समाजी धमेंद्र बजाज, महेश नागपाल, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी आदि मौजूद रहे।

अमर भारती
रण एक उम्मीद

राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ता : बोधराज

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है। इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

www.gurgaontoday.in
गुड़गांव टुडे

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी : बोधराज सीकरी

- हर धार्मिक आयोजन में युवाओं में संस्कारों की हों बातें।
- युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति।

ड़गांव टुडे, गुरुग्राम

माजसेवी बोधराज सीकरी ने हा कि हमारे समाज में बहुत सी सी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे ापसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई । भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे । ऐसे समय में श्रीराम-भरत के ोवन को प्रेरणा के रूप में लेकर ाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और गाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने नुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है।

इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके करण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं।

जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 26 जुलाई। कल ...गलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, ...क्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः ...जे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, ...ज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा ...त्री और राजेश गर्ग चावल वाले, ...पाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, ...दम डागर, संदीप सिंगल, भीम जी ...वर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ... मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ ...ा सामूहिक संगीतमय तरीके से ...योजन करवाया जिसकी मुहिम ...रुग्राम के जाने माने समाजसेवी और ...द्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की ...ई है।

गजेंद्र गोसाई, श्री बोधराज सीकरी ...बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से ...गीतमय, लय, सुर और स्वर का ...मन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों ...ं दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। ...ीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री ...िनय मंगला ने भी संपुट लगाकर ...पनी उपस्थिति भर लोगों के मन को ...ुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक ...म उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय ...ो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने ...पने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष ...र युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने ...र बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मानवता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।

पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नैनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है।

अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद भक्त का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं।

अन्त काल रघुवर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाई॥

हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये।

पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फ्लावर पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं।

गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाजिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संवादक श्री आदित्य राय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी श्री संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धर्मेंद्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे। वयोवृद्ध श्री सी.जी मनचंदा, श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एस.के खुल्लर अपनी टीम, श्री राम लाल ग्रोवर व श्री किशोरी डुडेजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय वर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे।

गढ़ी हरसरू से वैष्णोदेवी मंदिर की संचालिका पूनम माता जी की बिटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर है, पूरा समय उपस्थित रही।

महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमायुक्त उपस्थिति भरी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ओपन सर्च
TITLE CODE :- HARHIN11545
@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है : आंकड़ा हुआ 2,44,545 के पार

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल मंगलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

श्री गजेंद्र गोसाई, श्री बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।

पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है।

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है : बोधराज सीकरी

अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद "भक्त" का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं। "अन्त काल रघुबर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाई"

हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फ्लावर पार्क सुशांत लोक , जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं। मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं ।

गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाज़िरी भरी उनमें दैनिक जागरण अख़बार के मुख्य संपादक श्री आदित्य रॉय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी श्री संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धर्मेंद्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे। वयोवृद्ध श्री सी.बी मनचंदा, श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एस.के खुल्लर अपनी टीम, श्री राम लाल ग्रोवर व श्री किशोरी डुडेजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय वर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे। गढ़ी हरसरू से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पूनम माता जी की बिटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर हैं, पूरा समय उपस्थित रही।

महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमायुक्त उपस्थिति भरी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 62787/2014

रण टाइम्स

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

- हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए: बोधराज सीकरी
- हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है: बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम जी ज़ेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है। श्री गजेंद्र गोसाई, श्री बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

हरियाणा की आवाज़

राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ते : बोधराज सीकरी

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है। इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके करण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ते : बोधराज सीकरी

हर धार्मिक आयोजन में युवाओं में संस्कारों की हों बातें

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति

पायनियर समाचर सेवा। गुरुग्राम

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है।

गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य।

इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके करण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

बुलंद खोज

संपादक : गजेन्द्र कुमार
मो : [illegible]

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए है संजीवनी - बोधराज सीकरी

कार्यक्रम में शामिल आयोजक व अन्य।

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। सैक्टर 15 पार्ट वन स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डुगर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाई आदि ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके करण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते है। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति।

बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। सीकरी ने बताया कि पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 2 लाख 40 हजार 620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15 हजार 100 साधक भाग ले चुके है। कल मंगलवार को साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रात- फ्लायर पार्क सुशांत लोक में 15 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में 35 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके है। प्रधा विनय मंगला ने बोधराज सीकरी के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर आदित्य राय, आयुर्वेदाचार्य डा. परमेश्वर अरोड़ा, तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट्स के डायरेक्टर ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, भाजपा नेता प्रमोद सलूजा एडवोकेट, अलका शर्मा, आर्य समाजी धर्मेद बजाज, सीबी मनचंदा, केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के अध्यक्ष एसके खुल्लर, रामलाल ग्रोवर, किशोरी डुडेजा, रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओपी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय बर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (फरीदाबाद) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल मंगलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम जी ज़ेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

गजेंद्र गोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

कुआं से मानेसर तक एलिवेटेड रोड के लिए 2 माह में होगा कंसलटेंट नियुक्त : राव इंद्रजीत खबरों की

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए है संजीवनी: बोधराज

दैनिक भरोसा मित्र / एमके अरोड़ा
ब्यूरो चीफ

गुरुग्राम। सैक्टर 15 पार्ट वन स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाई आदि ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस

चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।

Email : thedailymewat@yahoo.co.in

दैनिक मेवात

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

– दैनिक मेवात संवाददाता

गुरुग्राम। कल मंगलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राम यादव उप प्रधान, राकेश गर्ग महा मंत्री और राकेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है। श्री नरेंद्र गोसाई, श्री बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने ख़ास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आगे पढ़े के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि

हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमान चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उनको पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने शबरी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

राम चरित के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद 'भक्त' का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं। अन्त काल रघुबर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाई : हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फ्लावर मार्क सूर्यांश लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं। गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाजिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अख़बार के मुख्य संपादक श्री आदित्य राज, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी श्री संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ महेंद्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे। वयोवृद्ध श्री सी.डी. मनचंदा, श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एस.के. खुल्लर अपनी टीम, श्री राम लाल ग्रोवर व श्री किशोरी डुडेजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय वर्मा, पंकज टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे। गली हरसरू से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पूनम मक्कड़ और उनकी बिटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वास्तु कला में माहिर है, पूरा समय उपस्थित रही। मीना कपूर, निधी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति भरी।

चैत्र मास शुक्ल प

दैनिक

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

उजाला आज तक

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक

गुरुग्राम। कल मंगलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है

गजेंद्र गोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके करण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके करण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद "भक्तह्व का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं।

ह्वअन्त काल रघुबर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाईह्व॥

हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये।

पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फ़्लायर पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं। गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाज़िरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक आदित्य रॉय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धर्मेंद्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है, आँकड़ा हुआ 244545 के पार

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, का भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। मंगलवार 25 जुलाई को राधा कृष्ण मंदिर, सैक्टर 15 पार्ट-1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है। गजेंद्र गोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है : बोधराज सीकरी

संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा

योगदान होता है। पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके करण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके करण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद भक्त का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं। अन्त काल रघुवर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाई॥

हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फूलायर पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं।

गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाजिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक आदित्य राँय, डा.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी थियटरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धर्मेंद्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे। वयोवृद्ध सीधी मनचंदा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष एसके खुल्लर अपनी टीम, रामलाल ग्रोवर व किशोरी डुडेजा के साथ उपस्थित रहे।

समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओपी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय वर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे। गद्दी हरसरू से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पुनम माता जी की बिटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर है, पूरा समय उपस्थित रही। महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमायुक्त उपस्थिति भरी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है, आँकड़ा हुआ 244545 के पार

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, का भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

● हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार 25 जुलाई को राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट-1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, सीम ज़ेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है। गजेंद्र गोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके करण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग हैं और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके करण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने

वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद भक्त का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं। अन्त काल रघुवर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाई॥

हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फूलायर पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं।

गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाजिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक आदित्य रॉय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धमेंद्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे। वयोवृद्ध सीबी मनचंदा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष एसके खुल्लर अपनी टीम, रामलाल ग्रोवर व किशोरी डुडेजा के साथ उपस्थित रहे।

समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओपी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय बर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे। गद्दी हरसरू से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पूनम माता जी की बिटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर है, पूरा समय उपस्थित रही। महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमायुक्त उपस्थिति भरी।

ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : www.jyotidarpan.com

राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ते: बोधराज सीकरी

-हर धार्मिक आयोजन में युवाओं में संस्कारों की हों बातें
-युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है। इस दौरान बोधराज

सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके करण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

Bharat Sarathi

A Complete News Website

गुरुग्राम

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है : आँकड़ा हुआ 2, 44, 545 के पार

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल मंगलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट – 1 गुरुग्राम में राम दा. वाले मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राम गहलत उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पवन डावर, संदीप सिंगल, ओम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संकीर्तन तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

श्री राजेश गोसाई, श्री बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने ब्यास गद्दी से संकीर्तन, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति नए लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण गुंजायमान हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमान चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

राम भरत के सम्वाद का हवाला दे आज के परिवेश में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।
पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चों में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी तो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, आया, मेड और नैनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी तरह आया के संस्कार आते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए सराहनीय किया है।

अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद "भक्त" का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं।

"अन्त काल रघुबर पुर जाई, जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई"॥
हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये।

पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फ्लावर पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जयपुर शिव मंदिर, ट्रस्ट ओम कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं।

गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाजिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अख़बार के मुख्य संपादक श्री आदित्य राज, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी श्री संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के साथ जगदीश नगवान सहपाठीक पधारे थे। कर्तव्यनिष्ठ श्री सी.पी मलहोत्रा, श्री कैंटीन सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एस.के खुल्लर अपनी टीम, श्री राम लाल ग्रोवर व श्री किशोरी टुटेजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओ.पी कालड़ा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, नन्द लाल कुमार, हेमंत मोनिगा, ओम प्रकाश नासा, इकबाल नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय वर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे।

नई दिल्ली से वैष्णोदेवी मंदिर की संचालिका पूजा माता जी की शिष्या, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वास्तु कला में माहिर है, पूरा समय उपस्थित रही।

महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, राधा बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, मिनी मोनिगा, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति भरी।

समाचार गुड़गांव टाइम्स(सा.)
gurgaontimes2004@gmail.com

राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो

भाई का रिश्ता

: बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य।

राकेश गर्ग

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और पगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम डागर, संदीप सिगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है।

इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके करण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

Bodhraj Sikri की हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा हुआ 244545 के पार

VIRAL SACH July 26, 2023 No Comments 1 5 minute read

Viral Sach : Bodhraj Sikri – 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट – 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ट, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम जी ज़ेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

श्री गजेंद्र गोसाई, श्री बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ सपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी सपुट लगाकर अपनी उपस्थिति पर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी दुहाई करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते है और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है।

जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते है। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है।

अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी की निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद "भक्त" का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते है।

"अन्त काल रघुबर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाई"॥
हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये।

पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके है। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः एतवार पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान है, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया।

इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके है।

मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाए।

गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाज़िरी भरी उनमें दैनिक जागरण अख़बार के मुख्य संपादक श्री आदित्य राँय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी श्री संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धर्मेंद्र बजाज सहपरिवार पधारे थे। वयोवृद्ध श्री सी.बी मनचंदा, श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एस.के खुल्लर अपनी टीम, श्री राम लाल ग्रोवर व श्री किशोरी ढुंडेजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय वर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे।

गढ़ी हरसरू से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पूनम माता जी की बिटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर है, पूरा समय उपस्थित रही।

महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमायुक्त उपस्थिति भरी।